लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या: *184
जिसका उत्तर बुधवार, 02 अगस्त, 2023 को दिया जाएगा

अरहर का उत्पादन

***184. डॉ. डी.एन.वी. सेंथिलकुमार एस.:**
डॉ. अमोल रामसिंह कोल्हे:

क्या उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष और वर्तमान वर्ष के दौरान अरहर और काले चने का कुल कितना उत्पादन हुआ है;
(ख) क्या खुले बाजार में अरहर और काला चना दलहनों की कीमतों में तेजी से वृद्धि हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण है;
(ग) क्या सरकार ने अरहर की कीमतों में कमी लाने के लिए राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ तथा राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ को मिल मालिकों के बीच ऑनलाइन नीलामी के माध्यम से फेडरल भंडार से अरहर लिए जाने का निर्देश दिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) अरहर और काले चने की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए सरकार को किन-किन बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है;
(ड.) क्या सरकार ने दालों की कमी के प्रभाव को कम करने के उद्देश्य से, दालों की खरीद के लिए कोई योजना बनाई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(च) खुले बाजार में अरहर और काले चने की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए सरकार द्वारा अन्य कौन-कौन से कदम उठाए गए हैं?

उत्तर
उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री
(श्री पीयूष गोयल)

(क) से (च): एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

"अरहर का उत्पादन" के संबंध में दिनांक 02.08.2023 के लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *184 के उत्तर के भाग (क) से (च) में उल्लिखित विवरण

(क): पिछले तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान तूर और उड़द का कुल उत्पादन इस प्रकार है:

वर्ष	तूर (लाख टन में)	उड़द (लाख टन में)
2019-20	38.92	20.81
2020-21	43.16	22.30
2021-22	42.20	27.76
2022-23 (तीसरा अग्रिम अनुमान)	34.30	26.12

(ख) से (घ) : तूर दाल और उड़द दाल की अखिल भारतीय औसत खुदरा कीमतों में वर्ष-प्रति-वर्ष आधार पर क्रमशः 28.31% और 8.07% की वृद्धि हुई है। माह-दर-माह आधार पर, तूर दाल और उड़द दाल की खुदरा कीमतों में क्रमशः 4.40% और 1.23% की वृद्धि हुई है। तूर दाल और उड़द दाल की खुदरा कीमतों में वृद्धि का कारण प्रतिकूल मौसम की स्थिति और कर्नाटक और महाराष्ट्र में तूर फसल पर विल्ट रोग के हमले के कारण वर्ष 2022-23 में कम घरेलू उत्पादन है। सरकार ने 26.06 2023 को राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) को उपभोक्ताओं के लिए अरहर दाल की उपलब्धता बढ़ाने के लिए मिलर्स को ऑनलाइन नीलामी के माध्यम से मूल्य स्थिरीकरण कोष (पीएसफ) बफर से अंशांकित तरीके से तूर दाल का निपटान करने का निर्देश दिया है। निपटान के लिए 50 000 मीट्रिक टन का अनंतिम लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अब तक 4,236.59 मीट्रिक टन का निपटान किया जा चुका है। तूर और उड़द सहित दालों की कीमतों में, किसानों को कीमत प्राप्ति, मौसम की स्थिति आदि के कारण क्षेत्र कवरेज में बदलाव के कारण उत्पादन में भिन्नता के कारण साल-दर-साल उतार-चढ़ाव देखा जाता है। कीमतें मौसमी उतार-चढ़ाव के अध्यधीन भी होती हैं। कीमतें अधिक और कम खपत वाले महीनों, फसल कटाई और बाजार आगमन के साथ-साथ बुआई की प्रगति, फसल की स्थिति और व्यापार की स्थिति से उत्पन्न बाजार भावनाओं के कारण मौसमी उतार-चढ़ाव के अध्यधीन भी होती हैं।

(ङ) और (च): सरकार किसानों को लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने के लिए मूल्य समर्थन स्कीम (पीएसएस) के तहत न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर दालों की खरीद करती है। बफर आवश्यकता को पूरा करने के लिए पीएसएफ के तहत दालों की खरीद भी की जाती है। तूर, उड़द और दाल के घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहित करने और आयात आवश्यकताओं को न्यूनतम करने के लिए, सरकार ने 2023-24 के दौरान इन दालों की पीएसएस खरीद पर 40% की सीमा को हटाने की घोषणा की है।

तूर और उड़द दाल की घरेलू उपलब्धता बढ़ाने और कीमतों में वृद्धि को रोकने के लिए इन दालों के आयात को 31.03.2024 तक निःशुल्क श्रेणी में रखा गया है, और सुचारू और निर्बाध आयात सुविधा के लिए तूर दाल पर 10% का आयात शुल्क हटा दिया गया है। जमाखोरी को रोकने के लिए, आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत 2 जून, 2023 को 31 अक्टूबर, 2023 तक की अवधि के लिए तूर और उड़द दाल पर स्टॉक सीमा लगा दी गई है। व्यापारियों, डीलरों, आयातकों और मिलर्स जैसी संस्थाओं द्वारा रखे गए स्टॉक की ऑनलाइन स्टॉक डिस्क्लोजर पोर्टल के माध्यम से लगातार निगरानी की जा रही है। इसके अलावा, तूर दाल की कीमतों में वृद्धि को रोकने के लिए बफर से अरहर दाल का निपटान जारी रखा गया है।

*****